१५. संचार तथा प्रसार माध्यम

बताओ तो !

१. हम दूरदर्शन पर अनेक चैनलों के कार्यक्रम देखते हैं । ये दूरदर्शन पर कहाँ से आते हैं ?

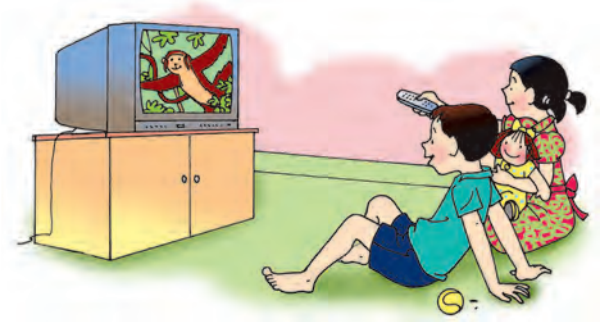

२. मोबाइल पर हम दूसरों के साथ बातचीत करते हैं । हमारा संभाषण दूसरे व्यक्ति के साथ मोबाइल पर कैसे होता होगा ?

पहले प्रकरण में हमने अंतरिक्ष प्रक्षेपण तथा कृत्रिम उपग्रह के विषय में जानकारी प्राप्त की है । आधुनिक प्रणाली से किए जाने वाले संचार में कृत्रिम उपग्रहों का उपयोग किया जाता है । ये संदेश अत्यंत कम समय में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचते हैं । उदा. (१) विश्व के किसी भी भाग में होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण हम दूरदर्शन पर देख सकते हैं । उदा. फुटबॉल, क्रिकेट मैच आदि । (२) मोबाइल द्वारा हम दूसरे देश के व्यक्ति के साथ सीधे बातचीत कर सकते हैं । (३) राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री रेडियो से सभी देशवासियों के लिए एक ही समय पर भाषण/संदेश दे सकते हैं ।

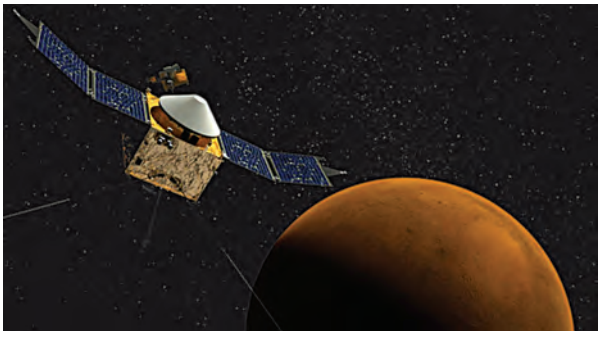

रॉकेट की सहायता से प्रक्षेपण करके कृत्रिम उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे जाते हैं । उनका उपयोग संचार/संदेशवहन के लिए करते हैं ।

क्या तुम जानते हो ?

भारत में संचार/संदेशवहन के लिए कृत्रिम उपग्रहों का सहारा लिया जाता है । ये उपग्रह इनसैट (INSAT-Indian National Satellite) के नाम से जाने जाते हैं ।

बताओ तो !

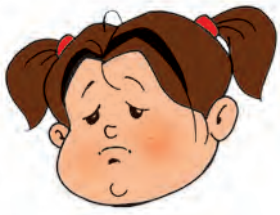

ऊपर के चित्रों का निरीक्षण करो । चित्रों में दर्शाए गए चेहरों से तुम्हें जिन भावों की जानकारी होती है; उन्हें संबंधित चेहरों के नीचे बनी चौखट में लिखो ।

चेहरे का भाव देखकर हम उस व्यक्ति की भावना समझ जाते हैं अर्थात चेहरे के भाव अथवा अन्य हाव-भावों से हम तक संदेश पहुँचता है । संचार द्वारा हमें सूचना प्राप्त होती है । सूचना का आदान-प्रदान करने का अर्थ संचार है । सूचना का प्रसारण भी संचार का ही भाग है । सूचना का उपयोग ज्ञान निर्मिति के लिए होता है ।

बताओ तो !

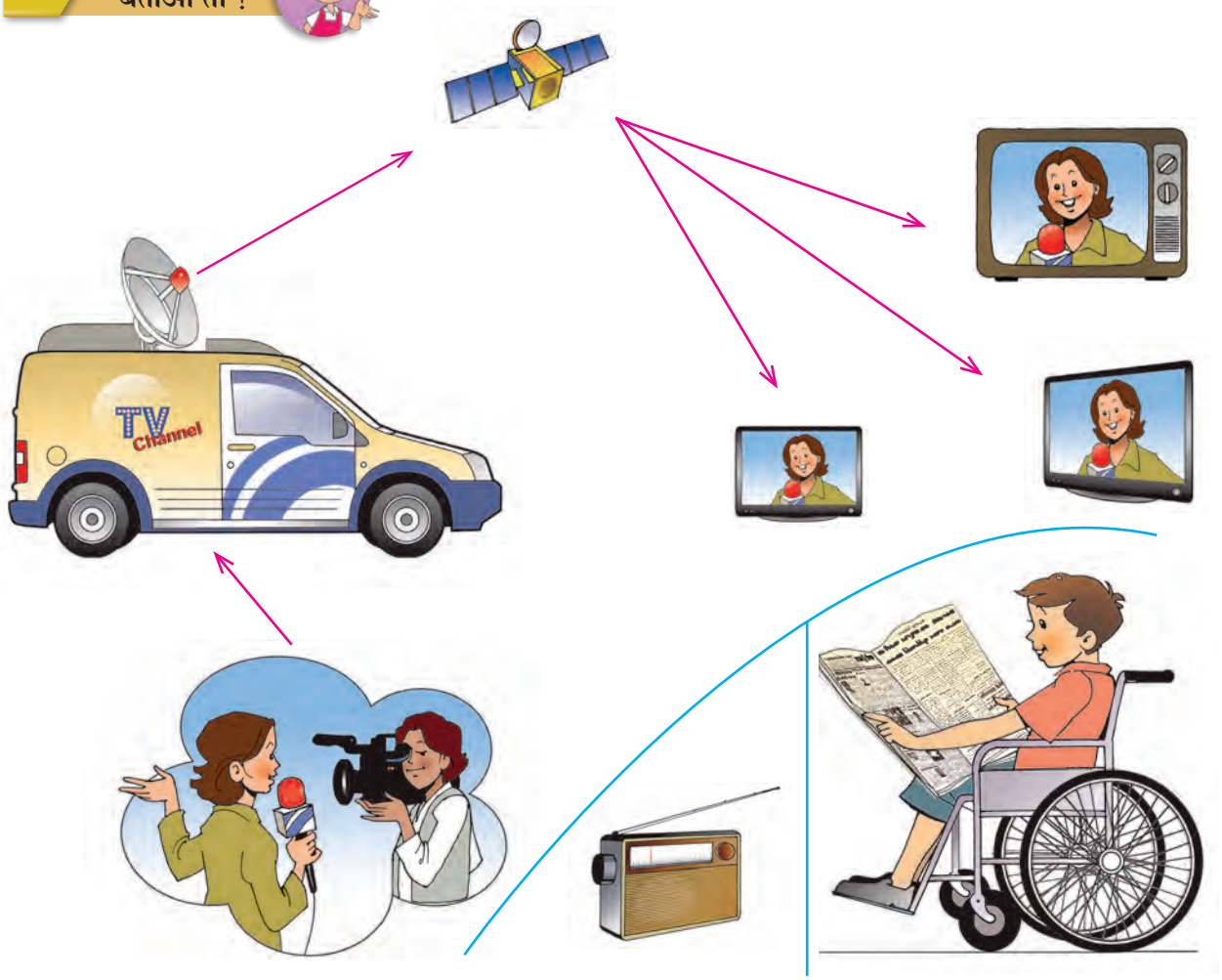

संलग्न पृष्ठ के चित्रों का निरीक्षण करो । चित्रों में कौन-कौन-से प्रसार माध्यमों का उपयोग किया गया है, उसे चौखट में लिखो :

.....
.....
.....

समाचारपत्रों द्वारा हमें कौन-कौन-सी जानकारी मिलती है, उसका अंकन करो :

- शैक्षिक
- ------
- -----
- ---- ---
- ------
- -----

प्रसार माध्यमों के रचनात्मक प्रभाव

१. दूरस्थ व्यक्तियों के साथ सहजता से संपर्क किया जा सकता है ।

२. सूचना प्राप्त करने तथा देने में लगने वाले समय तथा श्रम की बचत होती है ।

३. पर्यावरण, स्त्री-पुरुष समानता, स्वच्छता आदि के प्रति जागरूकता बढ़ने में सहायता मिलती है ।

४. तूफान, त्सुनामी, बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं के विषय में पूर्व अनुमान हो सकता है ।

५. स्वास्थ्य, शिक्षा तथा समाज की अच्छी घटनाओं तथा परिस्थितियों के विषय में जागरूकता उत्पन्न होती है ।

६. लोगों के लिए चलाई जाने वाली सरकारी योजनाओं को सफल बनाने में सहायता मिलती है ।

७. भोजन, वस्त्र, निवास, स्वास्थ्य तथा शिक्षा के संबंध में जानकारी प्राप्त होती है । इससे जीवन शैली में सुधार होता है ।

८. प्रसार माध्यमों के कारण व्यापार, उद्योग-धंधों में वृद्धि होती है ।

प्रसार माध्यमों के हानिकारक प्रभाव

१. दूरदर्शन, संगणक तथा मोबाइल का अत्यधिक उपयोग करने से आँखें, पीठ तथा कान की बीमारियाँ होती हैं । मनोविकार, अकेलापन बढ़ना आदि शिकायतों की भी संभावना रहती है ।

२. दूरदर्शन चैनल तथा इंटरनेट द्वारा अनेक प्रकार की जानकारी मिलती है परंतु जानकारी का दुरुपयोग करके समाज की शांति तथा स्वास्थ्य बिगाड़ने की घटनाएँ भी घटित होती हैं ।

३. प्रसार माध्यमों के विभिन्न कार्यक्रम देखने में समय नष्ट करने से मैदानी खेल तथा शारीरिक क्षमता की उपेक्षा होती है । इसका बुरा प्रभाव शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है ।

अब क्या करना चाहिए ?

पाँचवीं कक्षा में पढ़ने वाला आमोद विद्यालय से घर आते ही हमेशा संगणक पर भिन्न-भिन्न संकेत स्थल (साइट) देखता है । टीवी के मनपसंद कार्यक्रम भी देखने से नहीं चूकता । माँ के मोबाइल पर गेम खेलता है । हमेशा घर में बैठा रहता है । इन दिनों उसे भूख कम लगती है । नींद भी बहुत आती है । उसका वजन भी बहुत बढ़ गया है ।

आमोद की माँ को उसकी बहुत चिंता रहती है । वह कैसे दूर होगी ?

इसे सदैव ध्यान में रखो !

संचार तथा सूचना प्रसारण के साधनों का विवेकपूर्वक उपयोग करना चाहिए । इस बात का ध्यान रखें कि इन साधनों का अत्यधिक उपयोग न हो ।

क्या तुम जानते हो ?

दृक्-श्राव्य संचार - दूरभाष (दूरध्वनि) अथवा मोबाइल पर दूसरों के साथ बातचीत करते समय हम एक-दूसरे को देख नहीं सकते । सूचना प्रसारण की नई तकनीक के कारण मोबाइल पर अब यह संभव हो गया है । इस कारण दूसरे व्यक्ति के साथ संभाषण करते समय हम उसे देख सकते हैं ।

हमने क्या सीखा ?

- संचार साधनों का परिचय ।
- संचार के लिए अंतरिक्ष प्रक्षेपण की तकनीक प्रणाली ।
- प्रसार माध्यम के साधनों का परिचय ।
- प्रसार माध्यमों से लाभ और हानियाँ ।

स्वाध्याय

१. प्रसार माध्यमों के शैक्षिक उपयोग लिखो ।

२. दूरभाष (दूरध्वनि) के उपयोग के पहले संदेश भेजने के लिए किन साधनों का उपयोग किया जाता था ?

३. संगणक के कारण तुम्हारे जीवन में कौन-सा परिवर्तन हुआ ?

उपक्रम :

१. दूरदर्शन सेट पर भिन्न-भिन्न चैनलों के माध्यम से तुम्हें जो-जो जानकारी मिलती है, उसे नीचे दिए अनुसार तालिका बनाकर कॉपी में लिखो :

अ.क्र.	चैनल का नाम	कार्यक्रम का नाम	उपयोग
१.			
२.			
३.			

२. आकाशवाणी केंद्र जाकर वहाँ के कामकाज के विषय में जानकारी प्राप्त करो ।

३. नैशनल जिओग्राफी, डिस्कवरी, ज्ञानदर्शन आदि चैनलों के शैक्षिक कार्यक्रमों की कक्षा में चर्चा करो ।

* * *

IGJKH1